कार्यशाला रिपोर्ट

राजभाषा एकक द्वारा 28-29 दिसंबर 2015 के दौरान संस्थान के समूह 'क' अधिकारियों/ निजी सचिवों/ कर्मचारियों के लिए "राजभाषा नीति का कार्यान्वयन, व्यवहारिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ. डी. गुणसेकरण, कुलसचिव ने की।

यह कार्यशाला चार सत्रों में आयोजित की गई थी। प्रथम सत्र संस्थान के समूह 'क' अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. राजीव कुमार रावत, हिंदी अधिकारी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला का आरंभ करते हुए श्री नितिन जैन, कनि. हिंदी अनुवादक ने सभी समूह 'क' अधिकारियों को कार्यशाला में स्वागत किया और कहा कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों होने के कारण हम सभी का दायित्व है कि हम अपना दैनिक सरकारी कार्यालयीन कामकाज़ में राजभाषा हिंदी में करें। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला को और उपयोगी बनाने के लिए इसमें राजभाषा नीति से संबंधित अनेक विषयों को भी शामिल किया गया।

तत्पश्चात डॉ. राज कुमार सिंह, प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा नीतियों का अनुपालन तभी संभव होगा जब अधिकारियों की राजभाषा की नीति के कार्यान्वयन में विशेष भूमिका हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए संस्थान निदेशक प्रो. आर. वी. राज कुमार के अनुमोदन से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे डॉ. डी. गुणसेकरण, कुलसचिव ने सर्वप्रथम कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित डॉ. राजीव कुमार रावत, हिंदी अधिकारी का स्वागत किया और कहा कि इस तरह के कार्यशाला के आयोजन से अधिकारियों को न सिर्फ राजभाषा नीति का ज्ञान होगा बल्कि इसके अनुपालन में उनकी भूमिकाओं से भी उन्हें अवगत कराया जा सकेगा। कार्यशाला में जो विषय दिए गए वह बहुत ही उपयोगी है और इससे संस्थान को अवश्य लाभ मिलेगा।

तदोपरांत डॉ. राजीव कुमार रावत, हिंदी अधिकारी, भा. प्रौ.सं. खड़गपुर ने पावर प्वाइंट की प्रस्तुति के माध्यम से बहुत ही सरल तरीके से संस्थान के अधिकारियों को राजभाषा से संबंधित नीति, अधिकारियों की भूमिकाओं, संसदीय समिति की अपेक्षाएं जैसे विषयों पर अपने अनुभवों को सांझा किया।

कार्यशाला का द्वितीय सत्र संस्थान के निजी सचिवों के लिए आयोजित किया गया था जो कि उनकी कार्य शैली पर केंद्रित था। इस दौरान डॉ. राजीव कुमार रावत ने सभी प्रतिभागियों को राजभाषा नीति का परिचय, वार्षिक कार्यक्रम की जानकारी, पत्राचार से संबंधित लक्ष्य, हिंदी टिप्पणियों की गणना, हिंदी के संसाधित उपकरण जैसे विषयों पर जानकारी प्रस्तुत की और अपेक्षा की वे अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुए संस्थान में राजभाषा का प्रचार-प्रसार बढ़ाए।

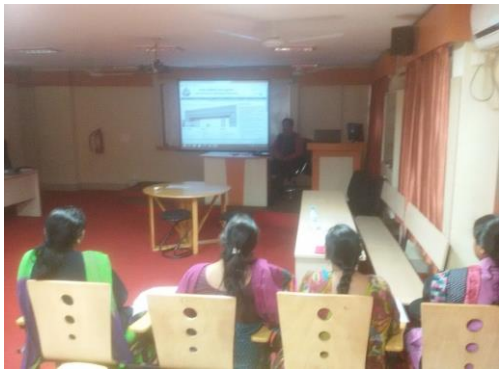

कार्यशाला का तृतीय सत्र दिनांक 29.12.2015 को संस्थान के कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया था। कार्यशाला में विभिन्न अनुभागों/विभागों से लगभग 20 कर्मचारियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ. रावत ने राजभाषा नीति का परिचय, नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग, अनुवाद प्रशिक्षण, डाक प्रविष्टि में हिंदी की प्रविष्टि, हिंदी से संबधित प्रोत्साहन योजनाएं, हिंदी उपकरणों की जानकारी के साथ हिंदी के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण वेबसाइटों की जानकारी दी। इस दौरान श्री नितिन जैन ने उपस्थित कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे सभी अपने दैनिक कामकाज़ों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाएं जिससे संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकारी द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर सके।

कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पर प्रस्तुत करते हुए श्री जैन ने इस कार्यशाला को सफल बनाने के लिए संस्थान के सक्षम प्राधिकारियों को विशेष रूप से धन्यवाद दिया और कहा कि हमारा प्रयास तभी सफल होगा जब आप सभी प्रतिभागीगण अपने दैनिक कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाए। तत्पश्चात डॉ. सिंह, प्राध्यापक प्रभारी ने मुख्य वक्ता डॉ. राजीव कुमार रावत को विशेष धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने इस कार्यशाला में जो जानकारी प्रस्तुत की है उसका लाभ निश्चित तौर पर संस्थान को मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।